वेब3.0

सन्दर्भ

हाल ही में, नैसकॉम ने कहा कि भारत में तेजी से वेब3.0 का पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हो रहा है। इसमें 450 से अधिक सक्रिय अंतरिक्ष स्टार्ट-अप हैं, इन्होने सम्मिलित रूप से अप्रैल, 2022 तक 1.3 बिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई है।

वेब 1.0

- इसे 1989 में विकसित किया गया था।
- अधिकतर स्थिर वेब पेज जहां उपयोगकर्ता किसी वेबसाइट पर जाते हैं और फिर स्थिर जानकारी को पढ़ते हैं। ।
- इसमें उपयोगकर्ता समीक्षा, टिप्पणियां और लाइक्स आदि पोस्ट नहीं किये जा सकते थे।

वेब 2.0

- यह 2004 में पूर्ण रूप से विकसित हुआ है। अभी भी हम वेब 2.0 के युग में हैं।
- ·इसमें उपयोगकर्ता कंटेंट क्रिएट , संवाद ,कमेंट ,लाइक्स , शेयर तथा अपनी तस्वीरें या वीडियो अपलोड करने सहित इस प्रकार की अन्य गतिविधियां कर सकते हैं।

वेब 5.0

- वेब 5.0 का उद्देश्य एक अतिरिक्त विकेन्द्रीकृत वेब का निर्माण करना है।
- वेब 5.0, वेब 2.0 तथा वेब 3.0 है का मिश्रण जो उपयोगकर्ताओं को इंटरनेट पर 'अपनी पहचान रखने' और 'अपने डेटा को नियंत्रित करने' की अनुमति देगा।
- वेब 3.0 और वेब 5.0 दोनों सरकारों या बड़ी तकनीकी कंपनियों से सेंसरशिप के संकट के बिना से, और महत्वपूर्ण आउटेज के डर के बिना इंटरनेट की अवधारणा प्रस्तुत करते हैं।

वेब 3.0

- वेब3 में, उपयोगकर्ताओं के पास प्लेटफॉर्म और एप्लिकेशन में स्वामित्व हिस्सेदारी होगी, जबकि वेब 2.0 में तकनीकी दिग्गज प्लेटफॉर्म को नियंत्रित करते हैं।
- Web3 मध्यस्थ (अमेज़ॅन, e Bay) की भूमिका को समाप्त करके विक्रेता से खरीदार लेनदेन को सक्षम बनाता है।
- Web3 विकेंद्रीकृत स्वायत्त संगठन (DAO) की भावना से प्रेरित है:
- इसका अर्थ यह है कि किसी भी लेन-देन में सभी व्यावसायिक नियम और शासी नियम पारदर्शी रूप से किसी के भी देखने के लिए उपलब्ध हैं। तथा इन नियमों के अनुरूप ही सॉफ्टवेयर की कोडिंग होगी।

नैसकॉम के विषय में

- यह एक भारतीय गैर-सरकारी व्यापार संघ और एडोकेसी समूह है, जो मुख्य रूप से भारत के प्रौद्योगिकी उद्योग पर केंद्रित है।
- यह एक गैर-लाभकारी संगठन है।
- इसे 1988 में स्थापित किया गया है ।
- नैसकॉम के सदस्य सॉफ्टवेयर विकास, सॉफ्टवेयर सेवाएं, आईटी-सक्षम/बीपीओ सेवाएं प्रदान करते हैं।
- NASSCOM की भूमिका मुख्य रूप से भारतीय सॉफ्टवेयर और बीपीओ उद्योग में सर्वोत्तम संभव सेवा गुणवत्ता की उपलब्धता, और बौद्धिक संपदा अधिकारों के प्रवर्तन को सुनिश्चित करने की रही है।
- 2013 में, NASSCOM ने 2023 तक भारत में 10,000 स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया।

नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क

सन्दर्भ :-

हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने पहले 'नेशनल क्रेडिट फ्रेमवर्क' (एनसीआरएफ) का मसौदा लॉन्च किया है। यह स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा और व्यावसायिक और कौशल शिक्षा के माध्यम से अर्जित क्रेडिट को एकीकृत करता है।

प्रमुख बिंदु :-

- यह छात्रों की आगे की प्रगति और स्कूल और उच्च शिक्षा को व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा के साथ जोड़ने के लिए कई विकल्प खोलेगा, इस प्रकार कौशल और व्यावसायिक शिक्षा को मुख्य धारा में लाया जाएगा।
- एनसीआरएफ उन छात्रों को भी सक्षम बनाएगा जो मुख्यधारा की शिक्षा से बाहर हो गए हैं। यह ऐसे छात्रों को शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में फिर से प्रवेश करने में सक्षम बनाएगा।
- हालाँकि तकनीकी और उच्च शिक्षा में क्रेडिट आधारित ढांचा पहले से ही मौजूद है; परन्तु यह पहली बार होगा जब स्कूल और व्यावसायिक शिक्षा को शामिल किया जाएगा।
- एनसीआरएफ का उद्देश्य सभी आयामों अर्थात शिक्षाविदों, व्यावसायिक कौशल और अनुभवात्मक शिक्षा जिसमें प्रासंगिक अनुभव और प्राप्त पेशेवर स्तर पर अधिगम को एकीकृत करना है।
- · मसौदे के अनुसार, क्रेडिट कक्षा 5 से पीएचडी स्तर तक अधिगम आवर्स के आधार पर आवंटित किया जाएगा।

- **महत्व**
- यह दृष्टिकोण कक्षा शिक्षण को योग्यता और अधिगम परिणाम-आधारित शिक्षा तथा अधिगम की उपलब्धि में अंतर को भी कम करेगा।
- एनसीआरएफ को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के कार्यान्वयन के एक भाग के रूप में लॉन्च किया जाएगा।
- नीति में यह भी कहा गया है कि स्कूल और उच्च शिक्षा प्रणाली के माध्यम से कम से कम 50% शिक्षार्थियों को 2025 तक व्यावसायिक शिक्षा का अनुभव होगा।
- · एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स: एनसीआरएफ का संचालन एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट्स (एबीसी) के माध्यम से किया जाएगा।

वैश्विक पेंशन सूचकांक

सन्दर्भ

पेंशन सूचकांक में 44 देशों में भारत 41वें स्थान पर है।

प्रमुख बिंदु

- भारत मर्सर सीएफएस ग्लोबल पेंशन इंडेक्स में 2021 में 43 देशों में से 40वें स्थान पर था परन्तु इस वर्ष 2022 में इसने 44 देशों में से 41वां स्थान प्राप्त किया है।
- सर्वेक्षण ने बताया कि देश को अपने नियामक ढांचे को मजबूत करने और निजी पेंशन व्यवस्था के तहत कवरेज को बढ़ावा देने की जरूरत है।
- देश में सामाजिक सुरक्षा कवरेज के अभाव में, निजी पेंशन व्यवस्था के तहत कवरेज को बढ़ाकर पर्याप्तता और स्थिरता उप-सूचकांक में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है।
- मर्सर सीएफएस ग्लोबल पेंशन इंडेक्स उन 44 देशों का अध्ययन करता है जो दुनिया की 65 प्रतिशत आबादी के लिए उत्तरदायी हैं।

- यह सूचकांक किसी देश में पेंशन प्रणाली को तीन उप-शीर्षों, पर्याप्तता, स्थिरता और अखंडता के मापदंडो के अंतर्गत मापन करता है।
- इन तीनों मापों में भारत का स्कोर क्रमश: 33.5, 41.8 और 61 रहा ।
- शीर्ष देश: सर्वेक्षण में आइसलैंड, नीदरलैंड और डेनमार्क सबसे ऊपर थे। थाईलैंड की सबसे कम रेटिंग 41.7 थी।
- सर्वेक्षण में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया कि भारत में पेंशन के क्षेत्र में निजी निवेश अत्यंत कम है
- चुकि भारत में कुल कार्यबल का 95% असंगठित क्षेत्र है अतः पेंशन व्यवस्था में सुधार की आवश्यकता है।

स्वदेश दर्शन 2

सन्दर्भ :-

हाल ही में, सरकार ने 'स्वदेश दर्शन 2' (जनवरी 2023 से शुरू) के पहले चरण के भाग के रूप में देश भर में 15 केन्द्रो की पहचान की है।

प्रमुख बिंदु

- पर्यटन और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण के साथ सतत और उत्तरदायी स्थलों को विकसित करने के लिए सरकार ने स्वदेश दर्शन 2.0 (SD2.0) के रूप में योजना को नया रूप दिया।

इसके तहत शुरू किए गए कुछ प्रमुख सर्किट थे-

- बौद्ध पर्यटन सर्किट ,
- अम्बेडकर पर्यटन सर्किट और

- उत्तर प्रदेश में झांसी और प्रयागराज, मध्य प्रदेश में ग्वालियर, चित्रकूट और खजुराहो और महाराष्ट्र में अजंता और एलोरा के कुछ प्रमुख स्थानों की पहचान की गई है।
- वोकल फॉर लोकल : इस योजना को "वोकल फॉर लोकल" के मंत्र के साथ नया रूप दिया गया है, यह योजना अनिवार्य रूप से घरेलू पर्यटकों को लक्षित करने के उद्देश्य से बनायीं गई है।

स्वदेश दर्शन योजना के बारे में:

- स्वदेश दर्शन योजना केंद्र द्वारा 2014-15 में थीम आधारित पर्यटन सर्किट के एकीकृत विकास के लिए शुरू की गई थी।
- योजना के अंतर्गत , पर्यटन मंत्रालय देश में पर्यटन के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन या केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।
- स्वच्छ भारत अभियान, स्किल इंडिया और मेक इन इंडिया जैसी अन्य सरकारी योजनाओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए इस योजना की परिकल्पना की गई थी:
- पर्यटन क्षेत्र को रोजगार सृजन के लिए एक प्रमुख इंजन के रूप में स्थापित करना,
- आर्थिक विकास के लिए प्रेरक शक्ति,
- पर्यटन को अपनी क्षमता विकसित करने में सक्षम बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के साथ संयोजन स्थापना ।
- नॉर्थ-ईस्ट पर्यटन सर्किट ।

आलोचना:

- कई गंतव्यों को कवर किए जाने और बहुत से हितधारकों के शामिल होने के कारण संसाधनों का कम प्रसार हो रहा है।
- 2017-18, 2018-19 और 2019-20 के आकड़ो के अनुसार, देश के रोजगार में पर्यटन का योगदान क्रमशः 14.78% क्रमशः 14.87% और 15.34% है।

महत्व:

- स्थानीय समुदाय को अत्यधिक लाभ होगा क्योंकि इससे रोजगार सृजित करने में मदद मिलेगी और इससे मूल निवासियों में कौशल विकास होगा।
- यह प्रत्यक्ष तौर पर इस क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।
- एडवेंचर टूरिज्म, बीच टूरिज्म, वेलनेस टूरिज्म, सीको-टूरिज्म और कई अन्य श्रेणियों के रूप में आगे गंतव्य डिवीजन पर्यटकों को उनकी पसंद के अनुसार अलग करने में सहायक होगा।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई)

सन्दर्भ :-

हाल ही में, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (CCI) ने Google पर 1,337.76 करोड़ रुपये ($162 मिलियन) का अनंतिम जुर्माना लगाया है। गूगल देश में एंड्रॉइड मोबाइल डिवाइस पारिस्थितिकी तंत्र से संबंधित कई श्रेणियों में "अपनी प्रमुख स्थिति का दुरुपयोग" कर रहा था।

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग

परिचय :

- यह 2003 में एक वैधानिक प्राधिकरण के रूप में स्थापित किया गया था।
- यह 2009 तक पूरी तरह कार्यात्मक हो गया।
- सीसीआई भारत में प्रतिस्पर्धा नियामक के रूप में कार्य करता है।

लक्ष्य : यह सभी हितधारकों, सरकार और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्राधिकार के साथ सक्रिय जुड़ाव के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था में एक प्रतिस्पर्धी स्थिति स्थापित करता है ।

उद्देश्य:

- प्रतिस्पर्धा को नुकसान पहुंचाने वाली प्रथाओं को रोकना
- बाजारों में प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और उसे बनाए रखना।
- उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करना और व्यापार की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना।

संरचना: केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक अध्यक्ष और 6 सदस्य ।

प्रतिस्पर्धा अपीलीय न्यायाधिकरण: प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2007, प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 में संशोधन के बाद अधिनियमित किया गया था। इसके अंतर्गत कारण प्रतिस्पर्धा अपीलीय न्यायाधिकरण की स्थापना हुई (जिसे 2017 में राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) से बदल दिया गया था)।

संक्षिप्त सुर्खिया

हैदराबादी हलीम

सन्दर्भ :-

हाल ही में, हैदराबादी हलीम, एक लोकप्रिय व्यंजन जिसे रमज़ान के दौरान ज़्यादातर खाया जाता है, को खाद्य श्रेणी में 'सबसे लोकप्रिय जीआई' का पुरस्कार मिला है।

यह पुरस्कार वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए।

विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार

- ओडिशा की कंधमाल हल्दी, जो अपने उपचार गुणों के लिए प्रसिद्ध है, को कृषि श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
- तमिलनाडु के तंजावुर आर्ट प्लेट ने हस्तशिल्प श्रेणी में पुरस्कार प्राप्त किया
- विनिर्मित श्रेणी में कर्नाटक से मैसूर चंदन साबुन को पुरस्कार मिला है।
- प्राकृतिक श्रेणी में उत्तर प्रदेश का चूना बलुआ पत्थर मिला है।

हैदराबादी हलीम

- हैदराबादी हलीम हैदराबाद के लिए एक अनोखा मांस है।
- यह मसाले और अन्य सामग्री के साथ पिसा हुआ मांस, दाल, और गेहूं से बना एक सुगंधित स्टू जैसा व्यंजन है।
- यह पकवान ज्यादातर रमजान के दौरान खाया जाता है।
- हैदराबादी हलीम को पहली बार 2010 में जीआई का दर्जा दिया गया था और यह टैग प्राप्त करने वाला भारत का पहला मांसाहारी व्यंजन था।
- · हलीम मेकर्स एसोसिएशन, जिसे 2010 में जीआई टैग मिला था, ने हाल ही में मई, 2022 में इसे और 10 वर्षों के लिए नवीनीकृत किया है।

चंद्रयान-3

सन्दर्भ :-

इसरो जून 2023 में चंद्रमा पर अपने तीसरे मिशन चंद्रयान -3 को अधिक और अधिक मजबूत रोवर के साथ लॉन्च करने की योजना बना रहा है।

प्रमुख बिंदु

- चंद्रयान -3 को 2023 में लांच किया जायेगा। यह भविष्य के अंतरग्रहीय अन्वेषणों के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान होगा।
- यह मिशन चंद्रयान-2 के ऑर्बिटर पर आधारित होगा।
- यह व्यवस्था की गई है कि चंद्रयान-3 का लैंडर चंद्र सतह पर सफलतापूर्वक उतरे। इसकी तकनीकी में कई बदलाव किये गए हैं। इसके इम्पैक्ट लेग्स को काफी मजबूत बनाया गया है। इसके साथ ही साथ। इसमें बेहतर इंस्ट्रूमेंटेशन भी लगाए गए हैं।
- इंट्रूमेंट्स की विफलता की स्थिति में कुछ अन्य इंस्ट्रूमेंट्स हैं जो स्थिति को संभल लेंगे।
- रोवर को इस प्रकार विकसित किया जा रहा है जिससे रोवर में यात्रा की जाने वाली ऊंचाई की गणना करने, खतरे से मुक्त स्थानों की पहचान करने और बेहतर सॉफ्टवेयर की गणना करने के लिए अलग-अलग तरीके हों।

कोटेड तथा अनकोटेड शेयर

संदर्भ

हाल ही में, सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय सुनाया कि लॉक-इन-पीरियड के अंदर के शेयर 'कोटेड शेयर ' नहीं माने जाएंगे। अतः उपहार कर देयता निर्धारित करने के लिए उन्हें 'अनकोटेड शेयर' के के रूप में मूल्यांकित करने की आवश्यकता है।

प्रमुख बिंदु :-

- हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने ,शेयर लेनदेन में उपहार कर से सम्बंधित बीपीएल लिमिटेड बनाम डीसीआईटी के 30 साल पुराने मामले में अपना आदेश पारित करते हुए यह निर्णय दिया है।
- यह मुद्दा प्रमोटर के कोटे के भाग के रूप में धारित एक सूचीबद्ध कंपनी के शेयरों के हस्तांतरण से संबंधित मामला था ; जो तीन साल की लॉक-इन अवधि के अधीन था।
- कोटेड तथा अनकोटेड शेयर
- संपत्ति कर अधिनियम के अनुसार,एक इक्विटी शेयर या एक वरीयता शेयर के संबंध में 'कोटेड शेयर' का अर्थ समय-समय पर नियमितता के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज पर कोट किये गए शेयर से है।
- ऐसे शेयरों के कोटेशन, व्यवसाय के सामान्य क्रम में किए गए चालू लेनदेन पर आधारित होते हैं।
- एक 'अनकोटेड शेयर ' का तात्पर्य एक ऐसे शेयर से है जो कोट नहीं किये गए हैं।
- इसलिए सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, यदि प्रमोटर के लॉक-इन शेयर 'कोटेड शेयर' श्रेणी में आते हैं, तो उनका मूल्य व्यवहार ' कोटेड शेयरों' के समान नहीं हो सकता है, अतः यह उपहार कर लागू नहीं होगा।

विश्व सांख्यिकी दिवस 2022

सन्दर्भ :-

विश्व सांख्यिकी दिवस हर पांच वर्ष में 20 अक्टूबर को मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु :-

- विश्व सांख्यिकी दिवस की स्थापना 2010 में संयुक्त राष्ट्र सांख्यिकी आयोग द्वारा की गई थी।
- यह नागरिक समाज और व्यवसाय के विकास पर सांख्यिकी के महत्व और अकादमिक अनुसंधान के महत्व को इंगित करने के लिए स्थापित किया गया था।

उद्देश्य:

- संकेतकों की एक श्रृंखला के माध्यम से किसी राष्ट्र की प्रगति का समय पर आकलन करने में सांख्यिकी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
- यह भविष्य की नीति की नींव रखता है।

इसलिए, , संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि एक विकासशील देश विकास के लिए स्थायी सांख्यिकीय क्षमता निर्माण महत्वपूर्ण है।

इस वर्ष (2022) सांख्यिकी दिवस की थीम:

सतत विकास के लिए डेटा (Data for sustainable development)

चक्रवात सितरंग

सन्दर्भ

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने हाल ही में दक्षिण-पूर्व और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव के क्षेत्र में चक्रवात की चेतावनी दी है।

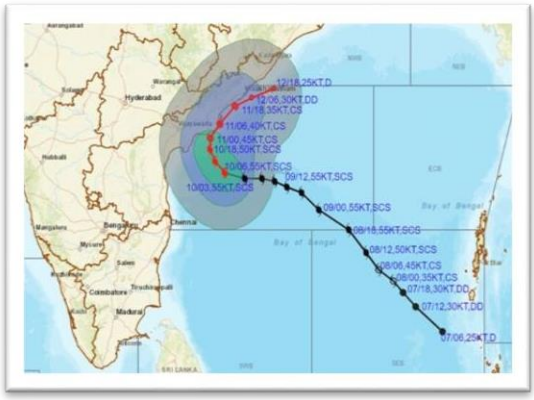

प्रमुख बिंदु

चक्रवात सितरंग मध्य बंगाल की खाड़ी में एक आपदा में परिवर्तित हो सकता है। यह चक्रवाती तूफान ओडिशा, पश्चिम बंगाल और उत्तरी आंध्र प्रदेश राज्यों को प्रभावित कर सकता है।

चक्रवातों का नामकरण

- मार्च में आये हुए चक्रवात (असनी , जिसका नाम श्रीलंका द्वारा रखा गया था) के बाद आने वाले इस चक्रवात का नाम थाईलैंड के द्वारा प्रस्तावित नाम पर रखा जायेगा।
- चक्रवातों के नामकरण के सन्दर्भ में आईएमडी के पास एक सूची है जिसमे जिसमें प्रत्येक सदस्य देश द्वारा प्रस्तावित 13 नामों सहित कुल 169 नाम हैं। इस सूची को इस प्रकार से व्यवस्थित किया गया है कि सभी देश चक्रवातों के नाम को क्रमबद्धता से तय कर सकें।

अंतर्राष्ट्रीय समन्वय समूह (आईसीजी)

सन्दर्भ

हैजा के टीकों की एक तनावपूर्ण वैश्विक आपूर्ति ने आईसीजी (जो प्रकोप के दौरान हैजा के टीके वितरित करता है) को मानक दो-खुराक टीकाकरण आहार को अस्थायी रूप से निलंबित करने और एकल खुराक टीका शुरू करने के लिए प्रेरित किया है ।

प्रमुख बिंदु

- आईसीजी की स्थापना 1997 में प्रमुख प्रकोपों के दौरान वैक्सीन प्रावधान पर देशों को आपातकालीन वैक्सीन आपूर्ति और एंटीबायोटिक दवाओं के प्रावधान के प्रबंधन और समन्वय के लिए एक तंत्र के रूप में की गई थी।
- यह इबोला, पीत ज्वर, हैजा और मेनिनजाइटिस के लिए आपातकालीन टीकों के भंडार तक पहुंचने के लिए आईसीजी और इसके तंत्र की मूलभूत समझ की जांच करता है।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare